2.6.1

2.6.1 संस्थान ने सीखने के परिणाम (सामान्य और कार्यक्रम विशिष्ट)/स्नातक विशेषताओं को बताया है जिन्हें मूल्यांकन प्रक्रिया में एकीकृत किया गया है और वेबसाइट और अन्य दस्तावेजों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है।
The institution has stated learning outcomes (generic and programme specific)/ graduate attributes which are integrated into the assessment process and widely publicized through the website and other documents

विश्वविद्यालय में स्वीकृत सभी पाठ्यक्रमों की निर्धारितसमयानुगुण परीक्षायें होती हैं। उन परीक्षाओं के परिणाम छात्रों की सरलता के लिए आधुनिकपद्धति अन्तर्जालमाध्यमद्वारा प्रकाशित किये जाते हैं। प्रकाशित परिणामों का अवलोकन छात्रगण दूरभाषयन्त्रद्वारा करते हैं। अन्तर्जालस्थान में परिणामों का प्रकाशन विश्वविद्यालयद्वारा किया जाता है। सर्वविद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए विश्वविद्यालय स्वसूचनापटों पर परिणामों को दर्शाता है। उपाधियों की प्राप्ति के लिए डिजिलॉकर-माध्यम द्वारा आधुनिक व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था से छात्र सन्तुष्ट हैं। उन्हें उपाधि प्राप्ति के लिए समय का व्यय भी नहीं होता। कदाचित् उपाधियों में लेखन त्रुटि हो जाती है तो उस त्रुटि के समाधान के लिए वर्ष पर्यन्त निःशुल्क व्यवस्था की गई है जिससे छात्र संतुष्ट दिखते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्री-आचार्य-विद्यावारिधि-शिक्षाशास्त्री-डिप्लोमा-प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाता है। विश्वविद्यालय के ये सभी पाठ्यक्रम बहुमुखीय हैं। पाठ्यक्रम की दो धारायें है। एक शास्त्रीय, दूसरी आधुनिक। शास्त्रीय पाठ्यक्रम में हमारे प्राच्यमौल्यप्रतिपादक तथ्य और आधुनिकपाठ्यक्रम में साम्प्रतिक विषय निर्धारित हैं। जो छात्रों के लिए और अध्ययनकर्ताओं के लिए उपयोगी और संतोषजनक हैं।

परीक्षासम्बद्धनियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ये नियम विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाते हैं। छात्र विश्वविद्यालय से सम्पर्क के विना भी दूरभाषमाध्यम से अपना परीक्षापरिणाम देख सकते हैं। परीक्षा की तिथिसारणी विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्जालमाध्यम से भी प्रकाशित की जाती है और सूचना पट्ट से भी दर्शायी जाती है। महाविद्यालयों में प्रतिविभाग को ईमेल द्वारा प्रेषित की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा सभी पाठ्यक्रमों का परीक्षापरिणाम पारदर्शिरूपेण आधुनिक यन्त्र के सहयोग से समयबद्ध उद्घोषित किया जाता है। विश्वविद्यालय की अध्ययन परिषद्, संकाय परिषद् और विद्यापरिषद् पाठ्यक्रमों का निर्धारण करती हैं।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय के साथ विमर्श करके ये परिषद् उन पाठ्यक्रमों, को निर्धारित करती है। कार्य परिषद् में विश्वविद्यालय के तथा अन्य विश्वविद्यालय के आचार्य सदस्य होते हैं। शैक्षिक विभाग कार्य परिषद् का पुरस्तात् प्रस्ताव करता है। इस प्रकार विविध स्तरों में अनुशीलन-अनुमोदन पुरस्सर निर्धारित पाठ्क्रम विश्वविद्यालय में प्रकाशित किये जाते हैं। विश्वविद्यालय का शैक्षिक विभाग पाठ्यक्रमों का परिणाम और विशिष्ट परिणाम का परिशीलन करता है। समय-समय पर स्वीक्रियमाण योजना द्वारा परिणामों में गुण लक्षित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालय के ध्येयोदेश्य के अनुकूल पाठ्यक्रम निर्धारित किये जाते हैं। अनेक क्षेत्रों में उद्योग प्राप्ति के लिए ये पाठ्यक्रम सहकारी होते हैं। शास्त्रिपाठ्यक्रम की अर्हता के माध्यम से विविध उद्योग के अवसर प्राप्त होते हैं।

अन्य विश्वविद्यालयों के उपाधिधारियों के समान सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के उपाधिधारक समान अवसर प्राप्त करते हैं। अनेक उपर्युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में वृत्ति (आजीविका) प्राप्त करते हैं। वास्तु ज्योतिष का और योगविज्ञान का डिप्लोमा पाठ्यक्रम कौशलाधारित है। इस लिए प्राप्तपदवीको स्वतन्त्ररूप से उद्योग करने में दक्षता और विश्वास सिद्ध होता है। यह विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का साक्षात् परिणाम है।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्राचीन विद्या के साथ आधुनिक विद्या का भी समन्वय है। संस्कृत पदवीधर अंग्रेजी भाषा में भी निपुण होते हुए विदेशों में संस्कृत प्रचार कार्य करने में समर्थ होते

हैं। इस प्रकार वे भारत को सांस्कृतिक प्रतिनिधिरूपेण अपने को क्रियान्वित करने मे संकल्पबद्ध होते हैं।

विश्वविद्यालय की पारदर्शी नीति छात्रप्रिय तथा शास्त्रप्रिय है। शैक्षिक कार्यों की सम्पूर्ण सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दर्शायी जाती है। उन सूचना को अध्यापक और अभिभावक द्वारा सुलभता पूर्वक अनुसरण करने के लिए यह उपक्रम सरल है। इस प्रकार पाठ्यक्रमों का परिणाम साफल्यप्रदायक है।

मैथिली भाषा में लिखित 'मैं बिहार हूँ' कृति के लिए विश्वविद्यालय के छात्र दीपक वत्स को सम्मानित करते हुए संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल। दिनांक ०५.०२.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में विश्वविद्यालय के छात्र दीपक वत्स की चर्चा करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी

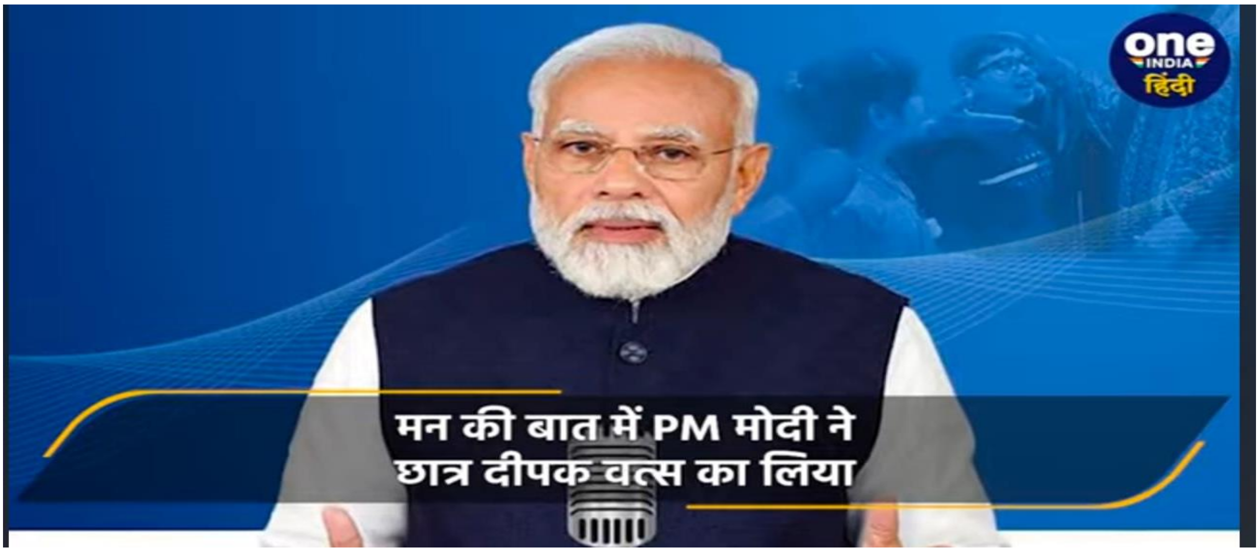

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के छात्र दीपक वत्स की पुस्तक 'मैं बिहार हूँ' का लोकार्पण करते हुए बिहार के गृह विभाग के विशेष सचिव श्री विकास वैभव जी, क्षेत्रीय विधायक श्री रामरतन सिंह जी एवं अन्य।

दिनांक २४.०४.२०२२

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

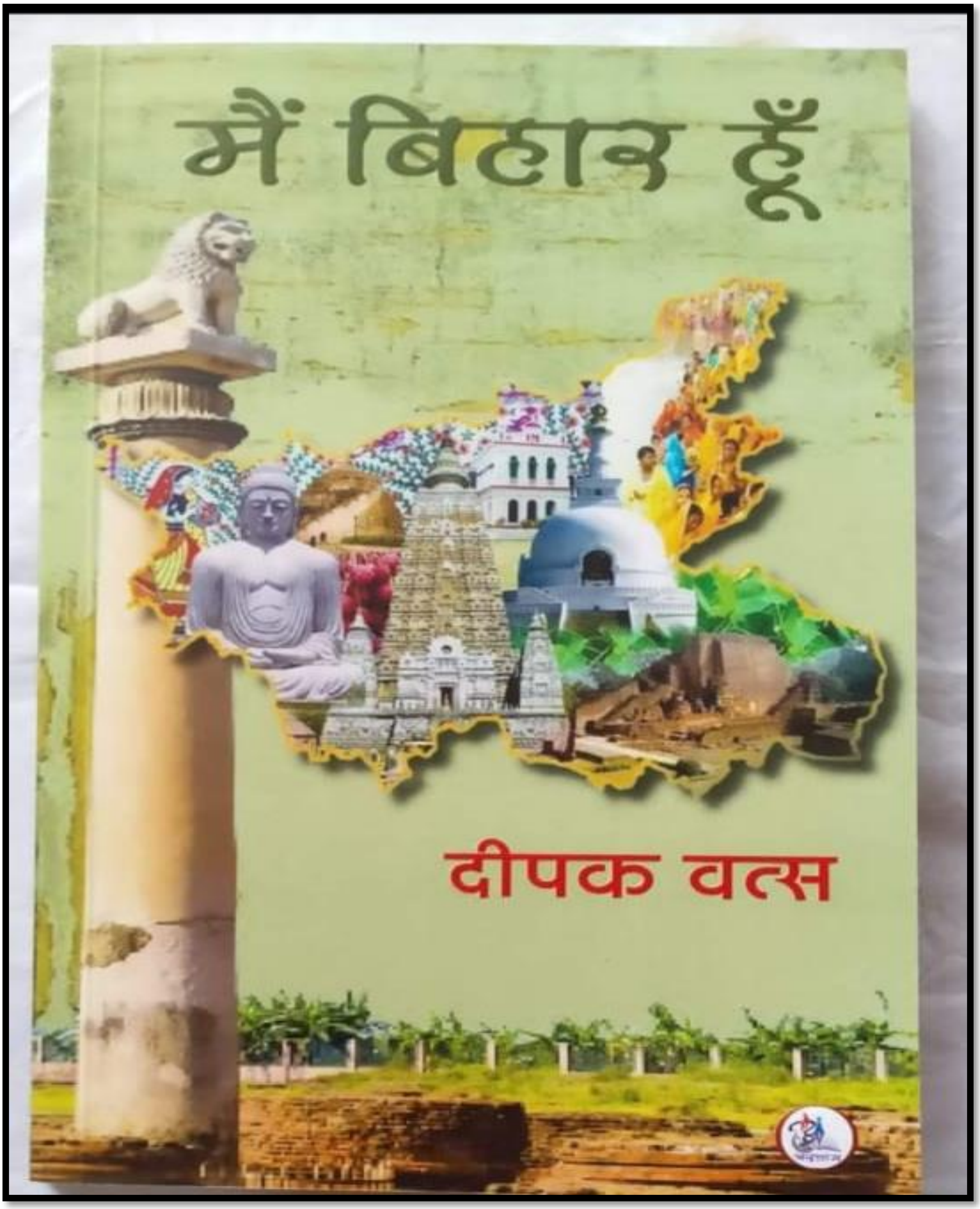

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

सेना में धर्मगुरु के पद पर नियुक्त होने पर विश्वविद्यालय के छात्र मिथिलेश को सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति जी। दिनांक २९.०१.२०२४

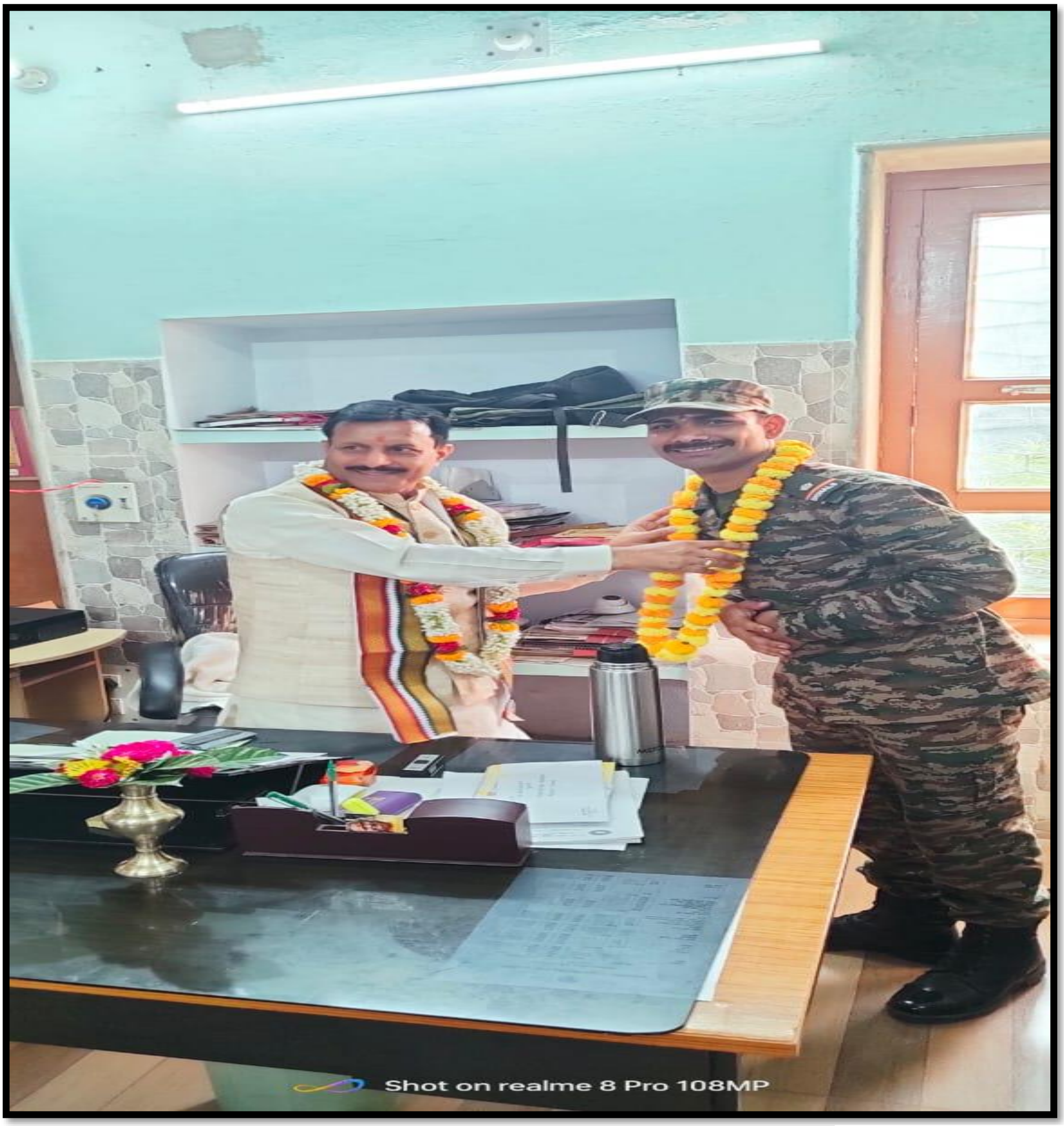

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

सीयूईटी (पीजी) की परीक्षा में संस्कृत विषय में सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के छात्र भाष्कर तिवारी।

Amar ujala varanasi ·

फ़ॉलो करें

6 घंटे ·

CUET PG Result 2024: संपूर्णानंद संस्कृत विवि के छात्र ने किया सीयूईटी टॉप, देश में पहला स्थान पाकर बढ़ाया मान

#cuetpg2024 #cuetpgresult

amarujala.com

CUET PG Result 2024: संपूर्णानंद संस्कृत विवि के छात्र ने किया सीयूईटी टॉप, देश में पहला स्थान पाकर ब...

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

सीयूईटी (पीजी) की परीक्षा में संस्कृत विषय में सम्पूर्ण भारत में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के छात्र भास्कर तिवारी का उत्साहवर्धन एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कुलपति महोदय।

दिनांक १६.०४.२०२४

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi